तू जिहने मर्जी दु:ख दे दे

तू जिहने मर्जी दु:ख दे दे,
दु:ख सेहन दी आद्दत पे गई है,
मेरे सैयां तनु की कहना,
चुप रेहन दी आद्दत पे गई है,

साढ़े चेहरे उते लिखियाँ ने साढ़े दिल उते जो बीतिया ने,
असी भूलना चाहे भुलदे नहीं साढ़े नाल जो जो बिटियां ने,
साहनु मेले चँगे लगदे नहीं वख रेहन दी आद्दत पे गई है,
तू जिहने मर्जी दु:ख दे दे,

असी लिख लिख चिठियाँ हार गए असी लब लब तनु हार गए,
की दसिये सैयां दोष मेरे साहनु तेरे विशोदे मार गए,
हूँ हस्सा चंगा लगदा नहीं साहनु रोन दी आद्दत पे गई है,
तू जिहने मर्जी दु:ख दे दे

Source:
https://www.bharattemples.com/tu-jihne-marji-dukh-de-de-dukh-sehan-di-addat-pae-gai-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw